



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 494]

नई दिल्ली, बुध्दतिवार, अक्टूबर 23, 1986/कार्तिक 1, 1908

No. 494]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 23, 1986/KARTIKA 1, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

परिवहन मंत्रालय  
(अल-भूतल परिवहन विभाग)  
(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1986

सा. का. नि. 1162 (अ):—केन्द्रीय सरकार महा-  
पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा  
132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124, उप-  
धारा (1) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्-  
द्वारा दिनांक 21 मई, 1986 और 28 मई, 1986 को  
तमिलनाडु सरकार के राजपत्र में प्रकाशित उक्त अधिनियम  
की धारा 123 द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए  
मद्रास पत्तन न्यासी मंडल द्वारा निर्मित मद्रास पत्तन न्यास  
सामान्य (संशोधन) विनियम, 1986 को अनुमोदन प्रदान  
करती है, जैसा कि ये उक्त अधिसूचना की अनुसूची में  
बिनिबिष्ट किए गए हैं।

2. ये विनियम इस अधिसूचना के राजकीय राजपत्र  
में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

[फा. सं. पी. डब्ल्यू/पीजीएल-59/83]

योगेन्द्र नारायण, संयुक्त सचिव

अनुसूची

मद्रास पत्तन न्यास सामान्य (संशोधन) विनियम, 1986

मसौदा अधिसूचना

(आर. आर. सी./40060/81/एस.)

सं. एस. आर. ओ. सी.-17/86—मद्रास पत्तन  
न्यासी मंडल, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963  
का अधिनियम 33) की धारा 123 की उपधारा (छ) से  
(त) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार  
द्वारा इसका अनुमोदन किए जाने की शर्त पर, मौजूदा मद्रास  
पत्तन न्यास सामान्य विनियमों में, जिसका केन्द्र सरकार ने  
दिनांक 21 जुलाई, 1960 को तार सं.-13-पी. जी. (48)/  
60 के माध्यम से अनुमोदन किया था, निम्नलिखित संशोधन

करती है और इसे उक्त अधिनियम की धारा-124 की अपेक्षानुसार यहाँ प्रकाशित किया जाता है:—

सधु शीर्षक और प्रारम्भ:—यह विनियम मद्रास परतन न्यास सामान्य (संशोधन) विनियम, 1986 है।

(2) “लैन्डिंग ऑफ एक्सप्लोजिव” शीर्षक के तहत मौजूदा विनियम “24 क” के बाव विनियम “24-ख” के रूप में निम्नलिखित रखा जायेगा:—

24ख.—वाणिज्य गोदियों पर विस्फोटक सामग्रियों की हैंडलिंग और नौसेनिक जहाजों की बंधिग:—विस्फोटक/खतरनाक पेट्रोलियम मजबूकी बंदरगाह में नहीं लाया जाएगा और इसे ऐसा कार्गो लाने वाले जहाजों के, मजबूकी बंदरगाह में प्रवेश करने से पहले, मद्रास परतन सुरक्षा विनियम, 1981—जिसके पास बड़ी शक्ति होगी जैसी कि वह इस शीर्ष के तहत विनियम के रूप में कानून बनाते थे, के माध्यम से उतार लेंगे।

यह विनियम सफेद झंडों के युद्ध-जहाजों और भारत के राष्ट्रपति की सेवा में लगे सशस्त्र वाणिज्य जहाजों/सहायक जहाजों पर और अन्य वेशों से संबंधित ऐसे युद्ध-जहाजों पर भी लागू नहीं होंगे जो मद्रास परतन की यात्रा पर आए हों और जिन्हें रक्षा मंत्रालय द्वारा अनुमति दी गई हो। उक्त उल्लिखित ऐसे युद्ध-जहाजों को, यदि प्रभारी नौ सेना अधिकारी, मद्रास द्वारा एम्बार्केशन कमान्डेंट को मजबूकी बंदरगाह में सभी बंधों पर ऐसा विस्फोटक/पेट्रोलियम चढ़ाने-उतारने की अनुमति दे दी जाएगी तो मजबूकी बंदरगाह में सभी प्रकार के विस्फोटक/खतरनाक पेट्रोलियम को हैंडल करने और जब तक ये विस्फोटक/खतरनाक पेट्रोलियम एम्बार्केशन मुख्यालय के निर्देश और पर्यवेक्षण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा हैंडल किए जाते हैं तब तक अनुमति दी जाएगी। नौ सेना प्राधिकारियों को अपेक्षानुसार रखी गई उनकी विस्फोटक/खतरनाक पेट्रोलियम सम्पत्ति के साथ उक्त उल्लिखित सभी जहाजों को बोर्ड द्वारा बंदरगाह में दी गई बंधों पर खड़े होने की अनुमति दी जाएगी, क्योंकि ऐसे सभी जहाज प्रभारी नौ सेना अधिकारी, मद्रास से नलीयरेंस मिलने के बाव केवल मद्रास के वाणिज्य परतन की यात्रा करेंगे।

अशोक जोशी, अध्यक्ष

प्रशासनिक कार्यालय भवन,  
राजाजी मार्ग, मद्रास परतन न्यास,  
मद्रास-600001  
14 मई, 1986

## MINISTRY OF TRANSPORT

(Department of Surface Transport)

(Ports Wing)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd October, 1986

G.S.R. 1162(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963, (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Madras Port Trust General (Amendment) Regulations, 1986 made by the Board of Trustees of Madras Port in exercise of the powers conferred on them by section 123 of the said Act, and published in the Tamil Nadu Government Gazette dated 21st May, 1986 and the 28th May, 1986, and set out in the Schedule to this notification.

2. The said Regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[PW/PGL/59/83]

YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.

### SCHEDULE

MADRAS PORT TRUST GENERAL (AMENDMENT) REGULATIONS, 1986

\* DRAFT NOTIFICATION

(RRC/40060/81[S.])

No. SRO C-17/86.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (f) to (o) of section 123 of the Major Port Trusts Act, 1963 (Act 33 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Madras hereby makes, subject to the approval of the Central Government, the following amendment to existing Madras Port Trust General Regulations, which has the approval of Central Government vide telegram No. 13-PG(48)/60, dated 21st July 1960 and the same is published herein as required under Section 124 of the above said Act : —

Short title and commencement.—This Regulation may be called Madras Port Trust General (Amendment) Regulations, 1986.

2. After the existing regulation “24-A” under the heading “Landing of Explosives”, the following be added as regulation “24-B”.

24-B. Handling of explosives and berthing of Naval Ships at Commercial Docks :—Explosives|Dangerous Petroleum shall not be admitted into the enclosed harbour and shall be discharged before the vessels

carrying such cargo enter into the enclosed harbour vide Port of Madras Safety Regulations, 1981, which would have the same force as though they had been enacted as a regulation under this head.

This Regulation shall not apply to vessels of war flying the white ensign and all armed merchant vessels/auxiliaries in the Service of the President of India and also vessels of war belonging to other countries who are on visits to the Madras Port having been cleared by the Ministry of Defence. Such vessels of war as enumerated above would be permitted to handle inside the enclosed harbour all types of explosives/dangerous petroleum provided the authorisation of the Naval Officer-in-charge, Madras, shall have been given to the Embarkation Commandant to Load/unload such explosives/dangerous petroleum at all

berths in the enclosed harbour and so long as these explosives/dangerous petroleum are handled by competent personnel under the direction and supervision of the Embarkation Headquarters. All vessels enumerated above shall also be permitted to lie in the harbour in the berths allotted by the Board with their explosives/dangerous petroleum properly stowed to the requirements of the Naval authorities as all such vessels shall only visit the Commercial Port of Madras after due clearance by the Naval Officer-in-charge, Madras.

ASHOKE JOSHI, (Chairman)

Administrative Office Building,  
Rajaji Road, Madras Port Trust,  
Madras-600001.  
14th May 1986.

